P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-2) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की जीवन संतुष्टि एवं कार्य अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन

रिंकल चौहान
शोधार्थी,
शिक्षा विभाग,
एन0ए0एस0 कॉलेज,
मेरठ, उ.प्र., भारत

शिखा चतुर्वेदी
विभागाध्यक्षा,
शिक्षा विभाग,
एन0ए0एस0 कॉलेज,
मेरठ, उ.प्र., भारत

सारांश

शिक्षक राष्ट्र के स्तम्भ होते है। शिक्षक शिष्यों को ज्ञान, मूल्य एवं उचित दिशा प्रदान करते है। इस शोध का उदेश्य शिक्षक की जीवन संतुष्टि व कार्य अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना है। वर्तमान अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक अनुदानित (10) व गैर अनुदानित (10) विद्यालयों में कार्यरत 140, शिक्षकों को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। आकड़ों का संग्रह और विश्लेषण के पश्चात यह निष्कर्ष निकला कि अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा व जीवन संतुष्टि का स्तर गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयोंमें कार्यरत शिक्षकों से अधिक है।

मुख्य शब्द : जीवन संतुष्टि एवं कार्य अभिप्रेरणा।

प्रस्तावना

प्रत्येक शैक्षिक संस्था में शिक्षक का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। प्राचीन समय में शिक्षक का कार्यक्षेत्र गुरूकुल था, वर्तमान समय में विद्यालय एवं विश्वविद्यालय है शिक्षक अपने असीम ज्ञान, मानवीय तथा अध्यात्मिक मूल्यों से समाज एवं राष्ट्रहित की भावना से ओत–प्रोत होने के कारण अपने शिष्यों को ज्ञान, मूल्य एवं उचित दिशा प्रदान करने एक मानव का सृजन करता है।

वर्तमान समय में शिक्षक के कार्य एवं दायित्व पहले की अपेक्षा अधिक बढ़ गये हैं। आज शिक्षक को विषय के साथ–साथ विद्यालयों वातावरण की अन्य गतिविधियों में भी सहभागी होना पड़ता है।

मानव व्यवहार तथा उसके अर्न्तगत आने वाले सभी कार्यो में अभिप्रेरणा तथा जीवन सन्तुष्टि का महत्वपूर्ण स्थान है। ये दोनो जब एकत्रित रूप से व्यक्ति को प्राप्त होती है उसके व्यवहार को निरन्तर स्पष्ट मार्ग प्राप्त होता है। जिससे सम्प्राप्ति तथा सफलताएं निरन्तर बढ़ती रहती है। यही सब तथ्य एक शिक्षक पर भी खरे उतरते हैं। किसी राष्ट्र की मानव शक्ति की गुणवत्ता शिक्षा के स्तर से प्रभावित होता है। समय के साथ–साथ प्राचीन सामाजिक जीवन मूल्य अपनी प्रासंगिकता खो चुके है। शिक्षक ने अपना गौरवशाली व्यक्तित्व खो दिया है वह आज भाड़े के मजदूर की भांति अर्थोन्मुख हो गया है।

आज के शिक्षक में कहीं न कहीं कार्य अभिप्रेरणा की कमी परिलक्षित होती है। प्रस्तुत अध्ययन के द्वारा शोधकत्री/शोधार्थी ने यही जानने का प्रयास किया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित अच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको की जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा की तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

1. अनुदानित एवं गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की जीवन संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अनुदानित एवं गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नही है।

3. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की जीवन संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नही हैं।
4. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा में कोई सार्थक अन्तर नही है।

अध्ययन की परिसीमायें

1. प्रस्तुत अध्ययन कार्य केवल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से समबद्ध अनुदानित तथा गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों पर ही किया गया है।
2. प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षकों को ध्यान में रख कर नही किया गया है। केवल उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों के लिए ही लिया गया है।
3. प्रस्तुत शोध में शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन नही किया गया है।
4. प्रस्तुत अध्ययन केवल मेरठ जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों पर ही किया गया है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में शोध की नॉर्मेटिव सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

न्यादर्श की चयन विधि

न्यादर्श के चयन के लिए शोधकत्री ने सर्वप्रथम माध्यमिक शिक्षा परिषद की बेबसाइट से अनुदानित तथा गैर अनुदानित विद्यालयों की सारणी प्राप्त की। इस प्राप्त सारणी की सहायता से अनुदानित तथा गैर अनुदानित विद्यालयों में से बालिका व बालक विद्यालयों की अलग–अलग सारणी बनायी। इस प्रकार प्राप्त सारिणी में से सिम्पल रेडम तकनीक की लॉटरी विधि द्वारा प्रत्येक वर्ग में से 5–5 विद्यालयों का (कुल 20) का चयन किया जिन्हें निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

तलिका 1–मेरठ जिले के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से समबद्ध चयनित अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सारणी

क्र0सं0	बालक विद्यालय	क्र0सं0	बालिका विद्यालय
1.	ए0एस0डी0 ब्वाईज इण्टर कॉलेज,लालकुर्ती,मेरठ।	1.	सेठ वी0के0माहेश्वरी कन्या इण्टर कॉलेज, मेरठ।
2.	बी0ए0वी0 इण्टर कालेज मेरठ।	2.	सनातन धर्म इण्टर कॉलेज, मेरठ।
3.	डी0एन0इण्टर कॉलेज मेरठ।	3.	भागीरथी आर्य कन्या इण्टर कॉलेज मेरठ।
4.	एन0ए0एस0इण्टर कॉलेज,मेरठ।	4.	क्नोहर लाल कन्या इण्टर कॉलेज, साकेत मेरठ
5.	नेशनल इण्टर कॉलेज, लालकुर्ती मेरठ।	5.	शान्ता स्मारक कन्या इन्टर कॉलेज, मेरठ

तालिका 2 – मेरठ जिले के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से सम्बद्ध चयनित गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सारणी

क्र0सं0	बालक विद्यालय	क्र0सं0	बालिका विद्यालय
1.	ज्ञान दीप इण्टर कॉलेज, शिवलोकपुरी मेरठ।	1.	जगदीश एस0आर0 गर्ल्स इण्टर कॉलेज, सोतीगंज,मेरठ।
2.	हर मिलाप मिशन इण्टर कॉलेज प्रहलाद नगर,मेरठ	2.	मेरठ कन्या इण्टर कॉलेज, जाकिर कालोनी, मेरठ।
3.	शहीद भगत सिंह इण्टर कॉलेज, मेरठ।	3.	सर राम दयाल गर्ल्स इण्टर कॉलेज, नयी बस्ती, मेरठ।
4.	श्री बी0बी0एस0एम0 इण्टर कॉलेज, शास्त्री नगर मेरठ।	4.	श्रीमति सुशीला देवी कन्या इण्टर कॉलेज, परतापुर, मेरठ।
5.	विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, शास्त्री नगर मेरठ।	5.	सेंट थॉमस गर्ल्स इण्टर कॉलेज, मिशन कम्पाउंड, मेरठ।

अब इन चयनित 20 विद्यालयों 10 अनुदानित एवं 10 गैर अनुदानित में से प्रत्येक विद्यालयों, में 7–7 शिक्षकों का चयन परपसिव मैथड द्वारा किया गया इस प्रकार कुल 140 शिक्षकों का चयन किया गया जिनकी सारणी निम्नलिखित है।

तालिका 3 – मेरठ जिले के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद में चयनित अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित शिक्षकों का विवरण

क्र0सं0	बालक विद्यालय	चयनित पुरूष शिक्षकों की संख्या	बालिका विद्यालय	चयनित महिला शिक्षकों की संख्या
1.	ए0एस0डी0 ब्वाईज इण्टर कॉलेज, लालकुर्ती मेरठ।	7	से0वी0के0 माहेश्वरी कन्या इण्टर, कॉलेज।	7
2.	बी0ए0वी0इण्टर कॉलेज, मेरठ।	7	सनातम धर्म इण्टर कॉलेज।	7
3.	डी0एन0 इण्टर कॉलेज, मेरठ।	7	भागीरथी आर्य कन्या इण्टर कॉलिज।	7

4.	एन0ए0एस0 इण्टर कॉलेज,मेरठ	7	कनोहर लाल कन्या इण्टर कॉलिज साकेत।	7
5.	नेशनल इण्टर कॉलेज लालकुर्ती मेरठ।	7	शान्ता स्मारक कन्या इण्टर कॉलेज, मेरठ।	7
	कुल योग	35	कुल योग	35

तलिका 4–मेरठ जिले के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से सम्बद्ध चयनित अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की सारणी

क्र0सं0	बालक विद्यालय	चयनित पुरूष शिक्षकों की संख्या	बालिका विद्यालय	चयनित महिला शिक्षकों की संख्या
1.	ज्ञान दीप इण्टर कॉलेज शिवलोक पुरी,मेरठ	7	जगदीश एस0आर0गर्ल्स इण्टर कॉलेज, सोतीगंज, मेरठ।	7
2.	हर मिलाप मिशन इण्टर कॉलेज, प्रहलाद नगर, मेरठ।	7	मेरठ कन्या इण्टर कॉलेज, जाकिर कॉलोनी, मेरठ।	7
3.	शहीद भगत सिंह इण्टर कॉलेज, मेरठ।	7	सर राम दयाल गर्ल्स इण्टर कॉलेज, नयी बस्ती मेरठ।	7
4.	श्री बी0बी0एस0एस0एम0 इण्टर कॉलेज, शास्त्री नगर, मेरठ।	7	श्रीमति सुशीला देवी कन्या इण्टर कॉलेज, परतापुर मेरठ।	7
5.	विधा मन्दिर इण्टर कॉलेज, शास्त्री नगर,मेरठ।	7	सेंट थॉमस गर्ल्स इण्टर कॉलेज मिशन कम्पाउंड, मेरठ।	7
	कुल योग	35	कुल योग	35

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में दो उपकरणों का प्रयोग किया गया है–

1. जीवन संतुष्टि मापनी– डा0 क्यू0 जी0 आलम एवं राम जी श्रीवास्तव।
2. कार्य अभिप्रेरणा मापनी–डा0 के0 जी0 अग्रवाल।

साँख्यिकी विधि

1. मध्यमान
2. प्रमाणिक विचलन
3. टी–परीक्षण आदि का प्रयोग किया गया।

तलिका 5–अनुदानित व गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकोंका जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन।

क्र0 सं0	समूह का प्रकार	शिक्षकों की सं (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	't' मान	सार्थकता स्तर
1.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयके शिक्षक (पुरूष+महिला)	70	41.03	7.88	4.88	0.01 तथा 0.05 स्तर पर सार्थक
2.	गैर–अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयके शिक्षक (पुरूष+महिला)	70	34.89	6.98		

t का गुणनात्मक मान=4.88, df=138

't' का तालिका मान 0.01 सार्थकता स्तर पर =2.65

0.05 सार्थकता स्तर पर = 1.99

$t_{cv} > t_{TV}$

t का गणनात्मक मान 4.88 जो t के तालिका मान से अधिक है तथा 0.01 तथा 0.05 दोनों सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त होती है।

तालिका 6–अनुदानित व गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन।

क्र0 सं0	समूह का प्रकार	शिक्षकों की सं0 (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D.)	't' मान	सार्थकता स्तर
1.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक (पुरूष+महिला)	70	100.57	8.14	12.37	.01 तथा .05 स्तर पर

2.	गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक (पुरूष+महिला)	70	82.1	9.59		सार्थक

t का गणनात्मक मान = 12.37, df = 138
't' का तालिका मान .01 सार्थकता स्तर पर = 2.65
05 सार्थकता स्तर पर = 1.99

$t_{cv} > t_{TV}$

t का गणनात्मक मान 12.37 है जो t के तालिका मान से अधिक है तथा (.01 तथा .05) दोनो सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त होती है।

तालिका 7–अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन।

क्र0 सं0	समूह का प्रकार	शिक्षकों की सं0 (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D)	't' मान	सार्थकता स्तर
1.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयके पुरूष शिक्षक	35	39.34	6.61	1.82	.01 तथा .05 स्तर पर सार्थक नही
2.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयके महिला शिक्षक	35	42.71	8.75		

t का गणनात्मक मान = 1.82, df = 68
't'का तालिका मान .01 सार्थकता स्तर पर = 2.65
.05 सार्थकता स्तर पर = 1.99

$t_{cv} > t_{TV}$

t का गणनात्मक मान 1.82 जो के t के तालिका मान से कम है तथा दोनो सार्थकता स्तरों (.01 तथा .05) पर सार्थक नही है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

तालिका 8– अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन।

क्र0सं0	समूह का प्रकार	शिक्षकों की संख्या (N)	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (S.D.)	(t) मान	सार्थकता स्तर
1.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुरूष शिक्षक	35	99.54	7.23	1.06	01 तथा 05 स्तर पर सार्थक नही
2.	अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के महिला शिक्षक	35	101.6	8.88		

t का मान गणनात्मक मान = 1.06, df = 68
't' का तालिका मान .01 सार्थकता स्तर पर = 2.62
.05 सार्थकता स्तर पर = 1.99

$t_{cv} > t_{TV}$

t का गणनात्मक मान 1.06 जो t के तालिका मान से कम है तथा दोनों सार्थकता स्तरों (.01 तथा .05) पर सार्थक नही है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

शोध परिणाम एवं निष्कर्ष

1. अनुदानित तथा गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की जीवन संतुष्टि में अन्तर पाया गया। अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (पुरूष+महिला) गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (पुरूष+महिला) की अपेक्षा जीवन में अधिक संतुष्ट पाएं गयें।
2. अनुदानित तथा गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयो में कार्यरत शिक्षकों की कार्य अभिप्रेरणा के स्तर में अन्तर पाया गया। अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (पुरूष+महिला) की कार्य अभिप्रेरणा का स्तर गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (पुरूष+महिला) से अधिक पाया गया।
3. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (पुरूष+महिला) की जीवन संतुष्टि में अन्तर नहीं पाया गया। दोनो की जीवन संतुष्टि का स्तर उच्च व समान है।
4. अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों (पुरूष+महिला) की कार्य अभिप्रेरणा में अन्तर नही पाया गया। दोनों की कार्य अभिप्रेरणा का स्तर उच्च व समान है।

शैक्षिक निहितार्थ

1. वर्तमान अध्ययन का परिणाम शिक्षक को नौकरी की स्थिति में समायोजन के लिये मदद करता है और उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करता है। वर्तमान में किए गए अध्ययन से प्रेरणा स्तर के शिक्षकों को बेहतर बनाने में भी मदद मिल सकती है।
2. इन निष्कर्षों का निहितार्थ यह है कि शिक्षकों को सकारात्मक कार्य संबन्धित परिणामों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयासों से अधिक स्वायत्त्ता प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है जैसे कि कार्य अभिप्रेरणा और जीवन संतुष्टि।
3. यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह अध्ययन किसी भी तरह से सीमित नही है। यह एक सीमित नमूने

का उपयोग करके एक प्रारम्भिक अध्ययन है और सीमित संख्या में चर की जाँच की गई है। वर्तमान में अध्ययन पर बड़े नमूने और अधिक भौगोलिक रूप से विविध नमूने सहित विस्तार हो सकता है। काम की अभिप्रेरणा और जीवन की संतुष्टि के भविष्यवाणियों में अधिक से अधिक ज्ञान की अनुमति देगा।

4. अध्ययन का परिणाम शिक्षकों के परिवार के सदस्यों को शिक्षकों की समस्या को समझने में मदद कर सकता है और उनके काम में सहूलियत दे सकता है।

सुझाव

उच्चतर माध्यमिक स्कूल में शिक्षकों के कार्य अभिप्रेरणा व जीवन संतुष्टि के लिए निम्नलिखित तरीके और साधन–

1. शिक्षकों को प्रोन्नति के प्रयाप्त अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
2. गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के वेतन व अन्य सुविधाओं में वृद्धि की जाये।
3. अनुदानित विद्यालयों तथा सरकारी विद्यालयों में होने वाली नियुक्तियों में गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयोंमें कार्यरत शिक्षकों को अनुभव के आधार पर वरीयता प्रदान की जाये।
4. गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के शिक्षण कार्य के घण्टे सुनिश्चित किए जाये एवं इन्हें शिक्षणोंत्तर दायित्वों से मुक्त रखा जाये।
5. विद्यालयों में समय–समय पर सेमिनार गोष्ठियाँ एवं शैक्षिक भ्रमण इत्यादि कार्यक्रम सुनिश्चित किए जाये।
6. शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता में एकरूपता होनी चाहिए। अनेक बार ऐसा देखा गया है कि गैर–अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कम वेतन देने के कारण कुछ निम्न योग्यता वाले शिक्षकों को भी नियुक्त कर लेते है। जिससे एक ही संस्थान में कार्यरत शिक्षकों की योग्यता में अन्तर होने के कारण उनकी कार्य अभिप्रेरणा भी प्रभावित होती है।
7. गैर अनुदानित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को स्थायित्व प्रदान किया जाये जिसमें उनमें नौकरी को लेकर असुरक्षा की भावना कम की जा सकें।
8. शिक्षकों की नियुक्तियों वेतन एवं अन्य सुविधाओं को नियमानुसार सुनिश्चित एवं व्यवस्थित करने हेतु उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा उससे संबंधित गैर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों की निगरानी हेतु एक पैनल का गठन किया जाये।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

भटनागर, सुरेश (2005), वर्तमान भारतीय शिक्षा एवं समस्यायें, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।

अस्थाना, वी0 एण्ड अस्थाना, श्वेता (2005), में सरमेन्ट एण्ड इवेल्यूएशन्स इन साइकोलॉजी एण्ड एजूकेशन, आगरा विनोद पुस्तक मन्दिर।

अग्रवाल, मिनाक्षी (1991) जॉब सेटिसफैक्शन ऑफ द प्राइमरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू सम डेमोग्राफिक वेरिएबल्स एण्ड वैल्सूस पी0 एच0 डी0 एज्यूकेशन आगरा विश्वविद्यालय।

बुच, एम0 बी0 (1993), फिफ्थ सर्वे ऑफ एज्यूकेशनल रिसर्च, न्यू दिल्ली, NCERT

गैरेट एच इ0 (1985) स्टेटिस्टिक्स इन साइकोलॉजी एण्ड एज्यूकेशन, बोम्बे वेकल्स फेफर एण्ड साइमनस ली0

बेस्ट जे डब्ल्यू एण्ड खान, जे0वी0 (2004), रिसर्च इन एज्यूकेशन एन दिल्ली प्रेन्टिस हॉल ऑफ इंडिया प्रा0लि0।

शर्मा आर0 ए0 (1995) शैक्षिक अनुसंधान के सिद्धान्त मेरठ इण्टरनेशनल पब्लिकेशन हाउस।

कुलसम बी0 (1986) इन्फल्यूएन्स ऑफ स्कूल एण्ड टीचर वेरीएबल्स ऑन द जॉब सैटिफिकेशन एण्ड वर्क मोटिवेशन ऑफ सेकेन्डरी स्कूल टीचर्स इन द सिटी ऑफ बैंगलौर, पी एच0 डी0 एज्यूकेशन बैंगलोर विश्वविद्यालय।

शुक्ला सी एस0 (2004) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, नई दिल्ली, प्रभात प्रकाशन।